'आत्मनिर्भर भारत' से भाईचारे को बढ़ावा: राजनाथ

- रक्षा मंत्री ने अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी को दिया जवाब
- गार्सेटी बोले-आत्मनिर्भरता का राग, भारत के लिए सही नहीं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक निवेशकों व खास तौर पर अमेरिका के कारोबारियों को यह आश्वस्त किया है कि उन्हें आत्मनिर्भर भारत की नीति से परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस नीति के जरिये ऐसा भारत बनाने की कोशिश नहीं है जो दुनिया से अलग हो कर रहे। रक्षा मंत्री ने यह बात मंगलवार को इंडो अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स के एक कार्यक्रम में कही। रक्षा मंत्री से पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने भारत सरकार की मौजूदा कराधान संबंधी नीतियों के साथ ही 'आत्मनिर्भर भारत' पर टिप्पणी की और कहा, 'सब कुछ भारत में ही निर्माण करने को लेकर जरूरत से ज्यादा बयानबाजी का उल्टा असर भी हो सकता है।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैं भारत की आत्मनिर्भरता को लेकर एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं। हमारे आत्मनिर्भर भारत अभियान का उद्देश्य निरंकुशता नहीं है। हमारा उद्देश्य यह बिल्कुल भी नहीं है, कि हम वैश्विक व्यवस्था से ही कट जाए।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत हम ऐसा भारत बिल्कुल भी नहीं बनाना चाहते, जो दुनिया से अलग रहकर काम करे। हमारा आत्मनिर्भर भारत का कार्यक्रम आपसी साझेदारी को बढ़ावा देता है। हमारी तो संस्कृति ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की है।' गार्सेटी ने कहा, 'भारत में कारपोरेट टैक्स से जुड़े नियम काफी अस्पष्ट हैं और इन्होंने अमेरिकी कंपनियों के निवेश संबंधी फैसले की राह में अड़चनें पैदा की हैं।

इंडो अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स के कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह • सौ. : संस्था

अमेरिका ने एच 1 बी वीजा नवीनीकरण के लिए शुरू किया अभियान

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका ने विदेशी कामगारों को सहूलियत देते हुए एच 1 बी वीजा नवीनीकरण के लिए अभियान शुरू किया है। अमेरिका में रहकर ही एच 1-बी धारक वीजा नवीनीकरण का आवेदन कर सकेंगे। इस पायलट कार्यक्रम को 29 जनवरी को लांच किया गया। इससे हजारों भारतीय तकनीकी पेशेवरों को लाभ होने की संभावना है। इस संबंध में एक घोषणा पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान की गई थी। विदेश विभाग ने सोमवार को कहा कि पायलट कार्यक्रम के तहत एक अप्रैल तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। यह स्वैच्छिक है। प्रत्येक सप्ताह लगभग 4,000 आवेदन किए जा सकेंगे।